

दिल की रानी, सपनों का साहजादा



आकांक्षा पारे काशीव

हिंदी
A D D A

दिल की रानी, सपनों का साहजादा

टू माय ड्रीम गर्ल

आय लव यू माय स्वीट हार्ट। प्लीज रिप्लाय सून ऑन बैक आफ दिस लेटर।

तुम्हारा

चाहने वाला

क्या लीखूं समझ नी आ रहा। मुझे भी तुम भोत अच्छे लगते हो। और हाँ चाने वाले का नाम भी तो होता है, जेसे मेरा है।

तुम्हारी

मंजू पाटीदार

मेरी जान

थैंक्यू कि तुमने मेरे लेटर का जवाब दिया। मैं बता नहीं सकता कि कितना खुश हूँ। कब मिलोगी। ओह माय गॉड मैं बेसब्री से उस दिन का इंतजार कर रहा हूँ जब तुम्हें चूम पाऊँ। मेरे दिल की रानी तुम्हारे इंतजार में

तुम्हारा

विशाल यादव

बिसाल,

तुमने जब से मुझे दिल की रानी कहा हे मे तो अपने होस में नी हूँ। तुम्हारा दिया हुआ खत मेने न जाने किती बखत पढ़ लिया है। मे तो तुम्हारे सामने कुछ भी नी हूँ। कल संगीता बता री थी कि तुम नौबी कक्षा में पेले नंबर पर आए थे। मे तो पिछली बखत फेल हो गई थी। विज्ञान और मेक्स में। इस बार यदि पास नी हुई तो पापाजी मेरी सादी करा देंगे। उधर खजराने में मेरी मोसी के देवर से मेरी बात भी चल री थी। पर पता नी क्या हुआ। मे तुमको ये सब इसलिए बता री हूँ कि मुझको ऐसा लगता है कि मे तुम्हारे लायक नी हूँ। पर ये भी सच हे कि मे तुमसे भोत प्यार करती हूँ। तुम जान भी नी सकते कि मे तुमको कितना प्यार करती हूँ। तुम्हारी तो अंग्रेजी भी भोत अच्छी हे। मेरे को तो ऐसी अंग्रेजी आती ही नी हे। डरीम गर्ल का अर्थ तो मे समझ गई हूँ। सीमा ने बताया हेमा मालिनी की एक फिलिम भी थी इसी नाम से। डरीम गर्ल। यानी जिस से भोत जादा परेम हो जाए उसे डरीम गर्ल कहते हैं। मुझे पर तुमने लिखा था न, प्लीज रिप्लाय सून बैक ऑफ दिस लेटर। वह नी समझ पाई। और हाँ मन्नी के हाथ चिट्ठी मत भेजना वह आँगन से ही चिल्लाता आता है। अगर कहीं लल्लन भैया के हाथ ये चिट्ठी पड़ जाए तो बस समझो हमारे परेम का अंत उसी दिन हो जाएगा। तुम तो जानते ही हो लल्लन भैया की तुम्हारे बड़े भैया परकास से बिलकुल भी नी पटती है।

अब पत्र बंद करती हूँ। कल और परसों स्कूल नी आऊँगी। चिंता मत करना महीना आ गया है, सो अम्मा घर से निकलने नहीं देंगी। परसों के बाद वहीं मिलूँगी मऊ नाके के पास जो मधुशाला बनी है न उसमे। तब तक तुम सोच भी लेना कि मेरे जेसी अनपढ़ के साथ क्या तुम सारी उमर रे पाओगे।

मंजू मेरी जान

ये तुमने क्या लिख दिया। क्या तुम्हें मैं ऐसा नजर आता हूँ। मैंने तुमसे प्यार किया है और मरते दम तक करता रहूँगा। मैं इसे निभा के भी बताऊँगा। पढ़ाई से क्या होता है। अंग्रेजी नहीं आने से क्या होता है। तुम्हें कौन सी नौकरी करनी है। मैं पढ़कर नौकरी करूँगा तुम मेरा घर सँभालना, अपने बच्चों की देखभाल करना और मुझे प्यार करना। वो ड्रीम गर्ल नहीं ड्रीम गर्ल होता है। ड्रीम गर्ल यानी सपनों की रानी। तुम हो मेरी सपनों की रानी। प्लीज रिप्लाय सून बैक ऑफ दिस लेटर का मतलब है, कृपया इस पत्र के पीछे जल्दी से इसका उत्तर दें। और हाँ तुम्हें तो हिंदी भी अच्छी नहीं आती है। (बुरा मत मानना जान मजाक कर रहा हूँ।)

तुमने मन्नी के हाथ चिट्ठी न भेजने की शर्त जो रख दी है वह तो बड़ी कठिन है। मन्नी के सिवाय है कौन जो तुम्हारे घर आता-जाता है। सीमा या संगीता को तो मैं यह काम करने को कह नहीं सकता। एक तो संगीता खुद मुझ पर डोरे डाले बैठी है। वह तो जरूर ही लल्लन भैया को हमारे प्यार का दुश्मन बना देगी। फिर तुम तीन दिन स्कूल भी नहीं आओगी। मैं यह पत्र गुड्डन के हाथ भेज रहा हूँ। इसके बदले मैंने गुड्डन को एक फाइव स्टार दी है सो इसी पत्र के पीछे जल्दी से जवाब दे देना ताकि एक ही फाइव स्टार में दोनों का काम हो जाए। परीक्षाएँ सिर पर हैं पर पढ़ने का मेरा जरा दिल नहीं करता। शाम को कापी-किताब लेकर छत पर आ जाना कम से कम तुम्हें देख तो लूँगा। और हाँ मऊ नाके की मधुशाला मैं तो भूल कर भी नहीं मिलेंगे। प्रेमा जिज्जी के ननदोई का है वह। उनके ननदोई तुम्हें और मुझे दोनों को ही पहचानते हैं। मेरी जान शाम छत पर जरूर आना।

तुम्हारा दर्शन प्यारा

विशाल यादव

प्यारे बिसू

धत। तुम तो कुछ भी लिखते हो। पेले सादी तो करें फिरी तो बच्चे होंगे। मेरे को तो भोत सरम आई तुम्हार ये पत्र पढ़ के। अरे हओ तुमने सही याद दिलाया। अगर मऊ नाके वाली मधुसाले में मिलते तो पक्का अम्मा मेरी चुटिया पकड़ कर घर में कौंड (बंद) देती। तुम ही सोच के रखना के अब हम कहाँ को मिलें। मेने तो सोचा था कि आराम से बैठ कर गन्ने का रस पिँगे। पर चलो तुम नई जगे सोच के मेरे को बता देना। तुम्हारे पास बेठने का भोत जी चाह रहा हे।

मेरी उमर भी तुम्हें लग जाए मेरे प्राणनाथ। मेरे सपनों के साहजादे।

तुम्हारी

मंजू पाटीदार

मंजूड़ी, मंजूड़ी मेरी प्यारी मंजूड़ी

अब तो तेरे बिना एक पल भी जिया नहीं जाता। कल 10 बजे स्कूल के लिए निकल जाना। आरटीओ जाने के बदले लालबाग वाले रास्ते पर मुड़ जाना। कल मैं संजू के साथ वहाँ गया था खूब खाली रहता है वह रास्ता वहीं थोड़ी देर बात करेंगे। मन करेगा तो स्कूल जाएँगे नहीं तो लालबाग में ही बैठे रहेंगे पूरा दिन। आओगी न मेरी मंजूड़ी।

विशाल

मेरे राजकुमार

मे क्या करूँ बबली घर पर आई हुई हे। बबली का नाम तो तुमने सुना ही होगा मेरे मूं से। मेरी राऊ वाली मोसी की लड़की है। उसकी सादी की तय हो गई है। अगले महीने में ही उसकी सादी है। मेने उसको तुम्हारे बारे में बताया हे। वो भी तुमसे मिलना चाहती हे। आज साम को तो हम खजराने गनेस मंदिर में जाएँगे। मोसी ने बबली की सादी की मान मानी थी वोई उतारने जा रे हैं। कल तो स्कूल नी जाऊँगी। कल उसके ससुराल से भोत से जने जीमने आने वाले हैं घर पे। मेरे को अम्मा ने कल स्कूल की छुट्टी करने को कहा है। पर परसों सायद सब लोग मारकेट जाएँगे सादी के लिए खरीदी करने। तब मे और बबली पार्लर जाने के नाम पर रुक जाएँगे। उसको फेसियल भी कराना है। तभी का कोई टाइम सोच के रख लेना। या तो तुम घर पे आ जाना कोई भी नी रहेगा। वो गुड्डन तो बड़ी बदमास निकली। मेरे से भी दस रुपये ले गई। के री थी कि यदि नी दूँगी तो चिट्ठी बापिस नी ले जाएगी। इसलिए ये चिट्ठी लक्की को दे री हूँ। तुम भी

लक्की के हाथ ही अबसे चिट्ठी भेजना। लक्की मेरे को भेन मानता है वो कभी किसी को नी बताएगा।

तुम्हारी

डरीम गर्ल

मंजूड़ी

तुम तो इस देश के प्रधानमंत्री से भी ज्यादा बिजी हो। बबली की शादी हुए पूरे पंद्रह दिन हो गए हैं। तुमने अब तक स्कूल जाना शुरू क्यों नहीं किया। तुम्हारी मौसी का लड़का पूरा दिन तुम्हारी साइकिल चलाता घूमता रहता है। जब भी घर की खिड़की से तुम्हारी लाल बीएसएसएलआर साइकिल सड़क पर देखता हूँ तो लगता है तुम होगी। पर हमेशा ही वह लफूट पप्पु उसे घुमाता रहता है। अगर आज शाम को तुम फूटी कोठी के सामने वाले बगीचे में नहीं आईं तो फिर मुझे न कभी चिट्ठी लिखना न कभी मिलने की कोशिश करना।

प्यारे बिसू

कितना गुस्सा करतो हो। लड़की की जिनगी क्या इतनी सरल होती है। मे एक-एक पल तुम्हें देखने के लिए तरस री हूँ। पर क्या करूँ। सात-आठ जने अभी तक गए ही नी हैं। उसने मिलने के लिए रोजी कोई न कोई आता रेता हे। रसोई में अम्मा का हाथ बँटाना पड़ता है। कल पूरे 22 लोग जीमने बेठे थे। परोसगारी करते-करते मेरी तो कमर ही टूट गई। और तुम हो कि मेरे से गुस्सा हो रे हो। मेरी सादी की बात चल री हे उससे मे और परेसान हो गी हूँ। जीरापुर वाली जीजी अब पता नी किसका रिस्ता ले के आ गई है। पापाजी और लल्लन भैया को तो रिस्ता भोत जम रहा हे। बस बल्ली भैया ही हे जो केह रहे हैं कि अभी थोड़ा रुक जाते हैं। मंजू को दसर्बी की परीच्छा दे लेने दो। उसके बाद मंजू की सादी करेंगे, पर पापाजी का केहना हे कि छोरी जात को जादा टेम घर में बिठा के रखने का मतलब परेसानी मोल लेना है। लल्लन भैया का केहना हे कि परीच्छा मे में कोन सा तीर मार लूँगी। तुमको तो पता ही हे कि मे नौबी में भी फेल हो गई थी। इस बार की मेरी कुछ खास पढ़ाई हुई नी हे। मेक्स तो मेरे को बिलकुल नी आता हे। मेरे को तो लगता है पापाजी को अपने बारे में पता चल गया हे। तुमको याद हे बबली की सादी के दो रोज पेले जब हम माता पूजने जा रहे थे तो तुम अपनी साइकिल से हमारे पीछे-पीछे आ गए थे। तब मेने ओर बबली ने तुमसे रुक कर बात की थी। तुमने बोला था न कि मे लाल साड़ी में भोत अच्छी लग री हूँ। तब लल्लन

भैया की छोटी बेटी सालू वहीं खड़ी थी। सायद उसने लल्लन भैया को बता दिया होगा। क्योंकि वो एक दिन केह रही थी कि बिसू भैया बुआ को सुंदर-सुंदर बोल रहे थे। अब तुमी बताओ कैसे मिलने आऊँ। भोत सावधानी से रेहना पड़ेगा नी तो दोनों पिटेंगे। पापाजी टूर पे जाएँगे शायद परसूँ के रोज। तब तो मे पक्का बाहर निकलूँगी। सीमा को राजबाड़े जाना हे कुछ सामान खरीदने। उसको सराफे मे भी कुछ काम हे। मे भी उसके साथ निकल जाऊँगी। तुम राजबाड़े के पीछे जो मोरसली गर्ली के चोराए पर मिलना किते रोज हो गए तुमको देख के। कल हम विजय चाट हाउस पर आलू पेटिस भी खाएँगे।

तुम्हारी

मंजू

बिसू प्यारे

कल तुम भोत अच्छे लग रहे थे। ओर तुमने सीमा के सामने मेरा हाथ क्यों पकड़ लिया। वो क्या सोचेगी। तुम पढ़ाई में मन लगाओ। ओर किते दुबले हो गए हो। मेरी याद कर-कर के ऐसे हो जाओगे तो बताओ मेरे को कित्ता बुरा लगेगा। कल से मे भी स्कूल जाना सुरू कर री हूँ। कलेक्टर के सामने जो घमंडी लस्सी वाला हे साम को पाँच बजे वहीं मिलना।

मंजू

मेरी जान

सुदामा नगर की ये गलियाँ मुझे वीरान लगने लगी हैं। न तुम आती हो न तुम्हारी खबर। मुझे वो दिन याद आते हैं जब तुम स्कूल से साइकिल पर जाती थीं और मैं तुम्हारे पीछे-पीछे आता था। तुम्हें याद है अपन ने स्मृति टाकीज में हम दिल दे चुके सनम देखी थी। उस दिन अपन लोग कितना खुश थे। मैंने पहले ही कहा था उस संगीता को अपने बारे में मत बताओ पर तुमने सुना ही नहीं। मैं पहले से ही जानता था कि वो जरूर लल्लन भैया को बता देगी। तुम तो बहुत खुश होगी की तुम्हारी शादी तय हो गई है। तुमने कभी मेरे बारे में सोचा है। मैं तुम्हारे बिना कैसे जिऊँगा। तुम्हारी वजह से मैंने पूरे साल पढ़ाई नहीं की। दसवीं में मैं सेकंड डिवीजन पास हुआ। और अब तुम कहती हो कि मैं तुम्हें भूल जाऊँ। तुम्हें तो अब सपने में तुम्हारा होने वाला पति दिखाई देने लगा होगा। तुमने तो रतलाम जाने के सपने देखना भी शुरू कर दिए होंगे।

तुम बहुत बेवफा निकली मंजू। बहुत बेवफा। मुझे नहीं पता था कि तुम मुझे ऐसे बीच में छोड़ कर चली जाओगी।

अब मैं तुम्हारे गम में कैसे जिंदा रह पाऊँगा यह तो मैं अकेले ही सोचूँगा। तुम भूल सकती हो कि कैसे हमने नेहरू पार्क, जानापाव और रालामंडल में अपने दिन बिताए हैं। कैसे तुम और मैं स्कूल से भाग कर अलका या स्मृति टाकीज में पिक्चर देखते थे। तुम्हारी सारी चिट्ठियाँ मैंने अब तक सँभाल के रखी हैं। वह वाली भी जिसमें तुमने लिपस्टिक लगा कर कागज पर अपने होंठ छाप दिए थे और पूरे 101 बार आई लव यू लिखा था। मुझे तो वह दिन भी याद है जब हम संजू की मौसी के घर पूरे दिन अकेले रहे थे और तुमने कैसे-कैसे मुझे अपने जलवे दिखाए थे। उस दिन के दो फोटो भी मेरे पास हैं। पर... अब तो यह सब बीते दिनों की बात हो गई है। खैर खुश रहो तुम हमेशा बस मेरी तो यही दुआ है।

शीशी भरी गुलाब की पत्थर पे फोड़ दूँ

तू कहे तो तेरे लिए दुनिया छोड़ दूँ।

अब बंद करता हूँ। तुम हमेशा खुश रहना।

तुम तो बड़े खराब निकले। तुमने संजू को ये सब बता दिया। ओर मेरे को चिट्ठी में लिख कर भी धमका रे हो। संजू सबको बताता फिर रा हे कि मे तुम्हारे संग कां-कां गई थी। मे तो परिवार के दबाव में सादी कर री हूँ। पर तुम तो अपने प्यार को ऐसे रुसवा कर रहे हो। अगर मेरी बदनामी हो गई तो मे कहीं की नी रहूँगी। फिर मेरे से सादी कौन करेगा। तुम अगर कुछ कमाते होते तो भी मे अम्मा से तो बोल ही देती कि मे तुम्हारे साथ रेना चाहती हूँ। पर तुम तो ऐसा कर रहे हो कि सारी गलती मेरी ही थी। प्यार तो हम दोनों ने एक-दूसरे से किया था। लेला-मजनु की भी तो सादी नी हुई थी। दोनों का प्यार आज भी जिनदा हे कि नी। अगर मजनु तुम्हारे जेसा होता तो वो भी लेला को बदनाम करता तो दोनों को कोन पूछता। अगले महीने मेरी सादी हे, अब मेरे को चिट्ठी बिलकुल भी मत लिखना। मे भी उतनी ही दुखी हूँ। पर मे कुछ नी कर सकती हूँ। मे अपने पति के साथ खुश रहना चाहती हूँ इसलिए मेरा रास्ता छोड़ दो। नी तो भोत बुरा होगा। अगर अब तुमने ऐसी हरकत की तो मे लल्लन भैया को बोल दूँगी। वो तुम्हारी भोत पिटाई करेंगे। ओर तुम कितने चालाक हो गए हो इस बार तुमने चिट्ठी के नीचे अपना नाम भी नी लिखा कि कहीं ये चिट्ठी पकड़ा जाए तो तुम्हारा कुछ नी हो बस जो बिगड़े मेरा ही बिगड़े। झूठे, चोर, मक्कार, राच्छस। इसलिए मे भी अपना नाम नी लिख री हूँ। अब मेरे रास्ते मे बिलकुल भी मत आना।

